ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

08 October 2024

भारत विदेशी मुद्रा भंडार में 700 बिलियन डॉलर पार पहुँचने वाला चौथा देश बना

संदर्भ: हाल ही में भारत ने विदेशी मुद्रा (विदेशी मुद्रा) भंडार में 700 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इससे भारत चीन, जापान और स्विटजरलैंड जैसे देशों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के आंकड़ों के अनुसार यह ऐतिहासिक उपलब्धि 27 सितंबर, 2024 को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान दर्ज की गई है।

- 27 सितंबर, 2024 को आखिरी सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 12.6 बिलियन डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई, जोकि जुलाई 2023 के बाद से सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि है। इस वृद्धि के साथ, भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 705 बिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, जो देश की भुगतान संतुलन (Balance of Payments) की मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

विदेशी मुद्रा वृद्धि में योगदान देने वाले कारक:

- भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि के पीछे कई कारक हैं, जिनमें स्थिर वैश्विक तेल की कीमतें और भारतीय शेयरों एवं बॉन्ड में मजबूत पूंजी प्रवाह प्रमुख हैं।
- इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेश, व्यापार संतुलन और प्रेषणों के कारण भारत के भुगतान संतुलन अधिशेष ने भी भंडार के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- इससे पूर्व, पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार $2.8 बिलियन की वृद्धि के साथ $692.3 बिलियन पर पहुंचा था, जिसके बाद यह $700 बिलियन के स्तर को पार कर गया।

विदेशी मुद्रा भंडार का महत्व:

- **आर्थिक झटकों के विरुद्ध सुरक्षा कवच:** विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। वे मुद्रा अस्थिरता, अचानक पूंजी बहिर्वाह और व्यापार असंतुलन जैसे बाहरी अस्थिरता के विरुद्ध बफर के रूप में कार्य करते हैं।
- **साख वृद्धि:** भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का विश्वास बढ़ाने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने में सहायक होता है, जिससे देश की साख वैश्विक स्तर पर मजबूत होती है।
- **भारतीय रुपये की स्थिरता:** विदेशी मुद्रा भंडार, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) को मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे अत्यधिक अस्थिरता के दौरान रुपये की विनिमय दर को स्थिर रखा जा सके।
- हाल के महीनों में जब रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.98 के रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब पहुंच गया था, तब आरबीआई ने रुपये को स्थिर करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग किया।

आगे की चुनौतियाँ:

- विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि के बावजूद कई चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। सितंबर 2021 में 642 बिलियन डॉलर के शिखर पर पहुँचने के बाद, एक साल के भीतर भंडार गिरकर 525 बिलियन डॉलर पर आ गया, जिसका मुख्य कारण पुनर्मूल्यांकन घाटा (मूल्य में गिरावट का नुकसान) था।
- रुपये की अस्थिरता को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का हस्तक्षेप और उन्नत देशों में ब्याज दरों की बढ़ोतरी जैसे बाहरी कारणों ने कभी-कभी विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव डाला है।
- इसके अतिरिक्त, आरबीआई का मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप यह सुनिश्चित नहीं करता कि रुपया सदैव मजबूत बना रहेगा, जैसा कि रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तरों के आसपास होने से स्पष्ट होता है।
- एक महत्वपूर्ण चिंता रिजर्व में मंदी की संभावना है। बोफा सिक्योरिटीज के विश्लेषकों के अनुसार, यदि भारत का भुगतान संतुलन अधिशेष सालाना 40-50 बिलियन डॉलर के सुरक्षित स्तर पर बना रहता है तो भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मार्च 2026 तक 745 बिलियन डॉलर तक पहुँचने की संभावना है। हालाँकि, इस लक्ष्य को प्राप्त करने और

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

बनाए रखने के लिए विदेशी पूंजी को आकर्षित करना, व्यापार संतुलन को संतुलित करना और बाहरी जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन करना आवश्यक होगा।

चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार 2024

संदर्भ: हाल ही में 2024 के लिए चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को "माइक्रोआरएनए की अभूतपूर्व खोज और पोस्ट-ट्रांसक्रिप्शनल जीन विनियमन में इसकी भूमिका" के लिए दिया गया है। इन दोनों वैज्ञानिकों ने जीन गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले एक मौलिक सिद्धांत की खोज की है।

माइक्रोआरएनए:

- माइक्रोआरएनए (miRNA) छोटे, एकल-स्ट्रैंडेड आरएनए का एक रूप है, जो 18-25 न्यूक्लियोटाइड लंबा होता है।
- माइक्रोआरएनए अणुओं के एक परिवार का नाम है जो कोशिकाओं को उनके द्वारा बनाए जाने वाले प्रोटीन के प्रकार और मात्रा को नियंत्रित करने में मदद करता है।
- कोशिकाएं जीन अभिव्यक्ति को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए माइक्रोआरएनए का उपयोग करती हैं। यह प्रोटीन संश्लेषण में अन्य जीन के कार्यों को नियंत्रित करता है। इसलिए, माइक्रोआरएनए ऐसे जीन हैं जो अन्य प्रोटीन-कोडिंग जीन को मॉड्यूलेट करते हैं।
- **उपस्थिति:** पौधों, जानवरों और कुछ वायरसों में पाए जाने वाले माइक्रोआरएनए, आरएनए साइलेंसिंग और जीन सक्रियता के पोस्ट-ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

माइक्रोआरएनए के कार्य:

- **प्रोटीन-कोडिंग जीन का मॉड्यूलेशन:** माइक्रोआरएनए अन्य प्रोटीन-कोडिंग जीन की अभिव्यक्ति को मॉड्यूलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नियामक तंत्र:

- **संश्लेषण को रोकना:** mRNA से प्रोटीन के संश्लेषण को रोकना।
- **माइक्रोआरएनए क्षरण को प्रेरित करना:** यह mRNA अणुओं के विघटन को बढ़ाता है।
- **जीन सक्रियता को कम करना:** विशिष्ट जीन की गतिविधि को प्रभावी ढंग से कम करना।

माइक्रोआरएनए का महत्व:

- **विकास:** माइक्रोआरएनए कोशिका के विकास, विभेदन और वृद्धि की प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **रोगों में भागीदारी:** इनकी संलग्नता विभिन्न रोगों जैसे कि कैंसर, हृदय संबंधी विकार और तंत्रिका संबंधी विकारों में देखी गई है।
- **उपचारात्मक क्षमता:** माइक्रोआरएनए संभावित उपचार रूप में उभर रहे हैं, जो नई चिकित्सीय विधियों के विकास में सहायक हो सकते हैं।

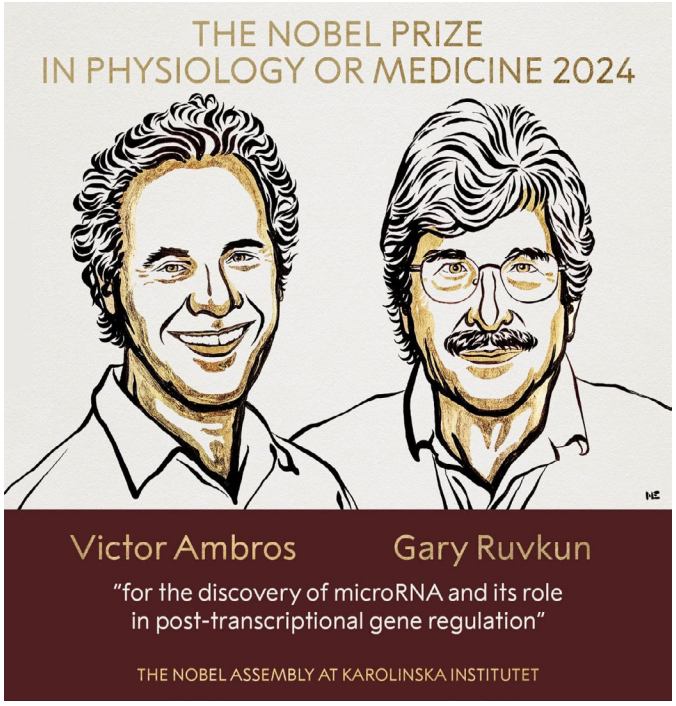

माइक्रोआरएनए क्रियातंत्र:

- **प्रतिलेखन (Transcription):** माइक्रोआरएनए (miRNAs) को डीएनए से प्राथमिक माइक्रोआरएनए (pri-miRNA) के रूप में प्रतिलेखित किया जाता है।
- **प्रसंस्करण (Processing):** प्राथमिक miRNAs को पूर्ववर्ती माइक्रोआरएनए (pre-miRNA) में संसाधित किया जाता है।
- **निर्यात और परिपक्वता:** पूर्ववर्ती miRNAs को कोशिका द्रव्य में भेजा जाता है, जहां वे परिपक्व उपल्छो में बदल जाते हैं।
- **लक्ष्य अंत:क्रिया:** परिपक्व miRNAs लक्ष्य मैसेंजर आरएनए (mRNAs) से जुड़कर, या तो mRNA को तोड़कर जीन अभिव्यक्ति को नियंत्रित करते हैं।
- **खोज:** माइक्रोआरएनए की अवधारणा की खोज विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन द्वारा किया गया, जिन्होंने इसे जीन विनियमन के नए सिद्धांत के रूप में प्रस्तुत किया, जो मनुष्यों सहित बहुकोशिकीय जीवों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।
- **मानव जीनोम:** मानव जीनोम 1,000 से अधिक माइक्रोआरएनए को एनकोड करता है, जो जीन विनियमन की जटिलता दर्शाता है। प्रत्येक माइक्रोआरएनए विभिन्न संदर्भों में जीन सक्रियता को नियंत्रित करते हुए मैसेंजर आरएनए (mRNAs) के साथ अंत:क्रिया कर सकता है।

नोबेल पुरस्कारों के बारे में:

- नोबेल पुरस्कारों की स्थापना अल्फ्रेड नोबेल ने की, जैसा कि उनकी 1895 में लिखी गई वसीयत में उल्लेखित है।
- ये पुरस्कार उन व्यक्तियों या संगठनों को दिए जाते हैं जिन्होंने पिछले वर्ष मानव जाति को सबसे अधिक लाभ पहुंचाया हो।
- पहला नोबेल पुरस्कार 1901 में प्रदान किया गया, जिसने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने की परंपरा की शुरुआत की।
- प्रारंभ में नोबेल पुरस्कार पांच श्रेणियों में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान फिजियोलॉजी या चिकित्सा, साहित्य, शांति के क्षेत्र में प्रदान किये गए।
- अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार की स्थापना 1968 में स्वेरिग्स रिक्सबैंक (स्वीडन का केंद्रीय बैंक) द्वारा की गई।

ओडिशा में तेंदुओं की आबादी

संदर्भः हाल ही में ऑल ओडिशा लेपर्ड एस्टीमेशन 2024 रिपोर्ट के अनुसार, ओडिशा में तेंदुओं की संख्या में 22% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। 2022 में 568 तेंदुओं की संख्या 2024 में बढ़कर 696 हो गई है। यह वृद्धि वन्यजीव संरक्षण के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

- हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि वर्तमान जनसंख्या 2018 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा की गई जनगणना में दर्ज 760 तेंदुओं की संख्या से अब भी कम है।

सर्वेक्षण की पद्धतिः

- **राज्यव्यापी निगरानीः** आकलन प्रक्रिया में वन विभाग द्वारा 47 वन प्रभागों में व्यापक निगरानी की गयी।
- **क्षेत्र सर्वेक्षणः** व्यापक सर्वेक्षण में तेंदुए की उपस्थिति की पहचान करने के लिए पैरों के निशान, मल, खरोंच और आवाज जैसे संकेतों का उपयोग किया गया।
- **कैमरा ट्रैपः** कैमरा ट्रैप का उपयोग करके तेंदुओं की पहचान की गई, जिसमें उनके विशिष्ट रोसेट पैटर्न उनके (शरीर पर मौजूद विशेष धब्बों के पैटर्न) को कैद किया गया, जोकि जनसंख्या आकलन के लिए एक वैज्ञानिक विधि है।

ओडिशा में तेंदुए के लिए प्रमुख आवासः

- **संरक्षित क्षेत्रः** इन क्षेत्रों में तेंदुओं की सबसे अधिक संख्या पाई जाती है।
- **सिमिलिपाल टाइगर रिजर्वः** इस रिजर्व में तेंदुओं की सबसे बड़ी आबादी निवास करती है और यह पास के हदागढ़ और कुलडीहा वन्यजीव अभयारण्यों में फैलाव के लिए महत्वपूर्ण है।
- **सतकोसिया लैंडस्केपः** यह क्षेत्र राज्य में दूसरे सबसे अधिक तेंदुआ आबादी के लिए जाना जाता है।
- **हीराकुंड वन्यजीव प्रभागः** इस क्षेत्र में, विशेष रूप से देबरीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में बड़ी संख्या में तेंदुओं का निवास स्थान है।

जनसंख्या वितरणः

- **संरक्षित क्षेत्रों के बाहरः** उल्लेखनीय बात यह है कि 45% तेंदुए संरक्षित क्षेत्रों के बाहर रहते हैं, जो प्रादेशिक वन प्रभागों में उनकी उल्लेखनीय उपस्थिति को दर्शाता है।
- **दुर्लभ प्रजातियाँः** इस आकलन में तीन वन प्रभागों में मेलेनिस्टिक तेंदुए (काले पैंथर) की उपस्थिति भी दर्ज की गई।

ओडिशा में संरक्षण संबंधी चिंताएं :

- **अवैध शिकार के मुद्देः** तेंदुओं के अवैध शिकार और व्यापार के संबंध में चिंताएँ बनी हुई हैं। 2018 से 2024 के बीच 116 तेंदुओं को उनकी खाल के लिए मारे जाने की घटनाएँ दर्ज की गई हैं, जो संरक्षण के प्रयासों को चुनौती देती हैं।
- **जब्तीः** 2018 से 2023 के बीच, वन विभाग के अधिकारियों ने 59 तेंदुए की खालें जब्त की हैं 2019 से 2024 तक विशेष कार्य बल द्वारा अतिरिक्त 57 खालें बरामद की गई।

सिमिलीपाल राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- **स्थानः** सिमिलीपाल भारत के ओडिशा के मयूरभंज जिले में स्थित एक प्रमुख बाघ अभयारण्य है।
- **हाथी रिजर्व का हिस्साः** यह मयूरभंज हाथी रिजर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें तीन संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं: सिमिलीपाल टाइगर रिजर्व, हदगढ़ वन्यजीव अभयारण्य और कुलडीहा वन्यजीव अभयारण्य।
- **व्युत्पत्तिः** उद्यान का नाम प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले सिमुल (रेशम कपास) से लिया गया है।
- **बाघः** सिमिलीपाल में ओडिशा में बाघों की सबसे अधिक आबादी है और यह मेलेनिस्टिक बाघों (काले बाघों) की आबादी के लिए उल्लेखनीय है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **हाथी:** ओडिशा में सिमिलीपाल को हाथियों की सबसे बड़ी आबादी के लिए जाना जाता है।
- **संरक्षण स्थिति:** 2009 से, सिमिलीपाल राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को विश्व नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिजर्व के हिस्से के रूप में नामित किया गया है, जो इसके पारिस्थितिक महत्व और संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाता है।

भारतीय तेंदुए के बारे में:

- **प्रजातियाँ:** भारतीय तेंदुआ (पेंथेरा पार्दस फ्यूस्का) भारतीय उपमहाद्वीप में व्यापक रूप से पाया जाता है।
- **विशेषताएँ:** बड़ी बिल्लियों में सबसे छोटी, विभिन्न वातावरणों के अनुकूल, मजबूत और फुर्तीली, पेड़ों पर चढ़ने में सक्षम।
- **संरक्षण की स्थिति:** आईयूसीएन रेड लिस्ट में सुभेद्य के रूप में वर्गीकृत, सीआईटीईएस (CITIES) के परिशिष्ट-I और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I में सूचीबद्ध।

पॉवर पैक्ड न्यूज

'निजुत मोइना' योजना

- हाल ही में 6 अक्टूबर को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम में 'निजुत मोइना' योजना के तहत मासिक वित्तीय सहायता वितरण शुरू किया।
- मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने खानापारा में एक समारोह में कामरूप (एम), कामरूप और मोरीगांव जिलों की 24,384 पात्र छात्राओं को वित्तीय सहायता के रूप में चेक प्रदान किए।
- निजुत मोइना असम सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य राज्य की मेधावी और जरूरतमंद छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना का उद्देश्य बाल विवाह को समाप्त करना और लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है।
- इस योजना की शुरुआत 8 अगस्त 2024 को बाल विवाह के खिलाफ अभियान के रूप में की गई थी।
- अगले तीन वर्षों में इस योजना के तहत 10 लाख छात्राओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। असमिया में 'निजुत मोइना' का अर्थ 'दस लाख लड़कियाँ' है।

प्रधानमंत्री ने 'बंजारा हेरिटेज' नंगारा म्यूजियम का उद्घाटन किया

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के पोहरादेवी में 'बंजारा हेरिटेज' नंगारा म्यूजियम का उद्घाटन किया।
- नंगारा म्यूजियम की योजना 2018 में संजय राठौड़ द्वारा बनाई गई थी ताकि बंजारा समुदाय की संस्कृति, इतिहास और परंपराओं को प्रदर्शित किया जा सके। आज यह एक विश्वस्तरीय म्यूजियम के रूप में खड़ा है।
- यह म्यूजियम 16 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और इसमें पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला का मिश्रण है, जो बंजारा समुदाय की समृद्ध धरोहर को दर्शाता है।
- इसमें पांच मंजिलें और 13 गैलरी हैं, जो बंजारा समुदाय के इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करती हैं।
- म्यूजियम में फ्लाइंग थिएटर, मूविंग प्लेटफॉर्म और रंबलिंग प्लेटफॉर्म जैसी अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं, जो एक शानदार अनुभव प्रदान करती हैं।
- यहां बंजारा समुदाय के इतिहास की जानकारी सात अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध है, जो इसे वैश्विक मानक का अनुभव प्रदान करती है।

- महाराष्ट्र के वाशिम जिले के मनोरा तालुका में स्थित पोहरादेवी, बंजारा समुदाय के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। इसे बंजारा समुदाय का काशी भी कहा जाता है। यहां संत सेवालाल महाराज की समाधि है, जिन्हें पूरे भारत के 10 करोड़ से ज्यादा बंजारा लोग पूजते हैं और रामरावबापू महाराज की समाधि भी है।

DefConnect 4.0

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली कैंट के मानेकशॉ सेंटर में DefConnect 4.0 का उद्घाटन किया। यह आयोजन भारत की रक्षा क्षेत्र में नवाचार (इनोवेशन) की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था, जिसे रक्षा मंत्रालय के तहत इनोवेशन्स फॉर डिफेंस एक्सीलेंस-डिफेंस इनोवेशन ऑर्गेनाइजेशन

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

(iDEXDIO) द्वारा आयोजित किया गया था।

- DefConnect 4.0 का उद्देश्य सशस्त्र बलों, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (DPSUs), उद्योग जगत के नेताओं, स्टार्ट-अप्स, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs), शिक्षाविदों और निवेशकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में एक टेक्नोलॉजी शोकेस भी था, जहां iDEX इनोवेटर्स ने नई तकनीकों और उत्पादों का प्रदर्शन किया।
- iDEX की शुरुआत 2018 में हुई थी और तब से इसने 11 संस्करणों में 'डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंजेस' का आयोजन किया है। इन चैलेंजेस में 9,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं और 450 से ज्यादा स्टार्ट-अप्स/MSMEs के साथ मिलकर रक्षा क्षेत्र की प्रगति और नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- इनोवेशन्स फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (iDEX) रक्षा और एयरोस्पेस सेक्टर में आत्मनिर्भरता हासिल करने और नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्रालय की प्रमुख पहल है।

ध्येय IAS most trusted since 2003
DHYEYA IAS most trusted since 2003

नया बैच प्रारंभ

UPPCS
GENERAL STUDIES
14th OCT 2024
HINDI & ENGLISH MEDIUM | TIME: 9:00 AM | 6:00 PM

UPSC (IAS)
GENERAL STUDIES
16th OCT 2024
ENGLISH MEDIUM
TIME: 8:30 AM | 6:00 PM

Admission Open
MODE : OFFLINE & ONLINE
BOOK YOUR SLOT

A 12 Sector J Aliganj, Lucknow 9506256789
OTHER CENTER : CP1, Jeevan Plaza, Gomti Nagar, Lucknow 7234000501